अखिल भारतीय विजयवर्गीय वैश्य महासभा, हाड़ौती प्रदेश अधिवेशन में माननीय अध्यक्ष का संबोधन

———

अखिल भारतीय विजयवर्गीय समाज, हाड़ोती प्रदेश के तत्वावधान में आयोजित, राजस्थान के प्रांतीय अधिवेशन में पधारे समाज के अध्यक्ष श्री कन्हैयालाल विजय जी, पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष सी पी विजय जी, पूर्व महापौर महेश विजय जी; हाड़ोती प्रदेश के आयोजक मंडल के श्री रमेशजी विजय, रमेश जी विजय महाभारती, रमेशजी विजय श्रीमती संगीता विजय जी और समाज के सभी पदाधिकारीगण; हमारे बीच में कोटा दक्षिण के विधायक माननीय संदीप शर्मा जी और हाड़ोती सहित राजस्थान से पधारे समाज के सभी वरिष्ठजन, मातृ शक्ति एवं नौजवान साथियों;

मैं सबसे पहले आप सबको शुभकामनाएं देता हूँ, बधाई देता हूँ। स्वामी रामचरण महाराज जी की कृपा से, उनकी दैहिक शिक्षा, आध्यात्मिक ज्ञान, संस्कार और संस्कृति को लेकर यह समाज उनके बताए हुए आदर्श और उनके बताए हुए विचारों पर चल रहा है। समय-समय पर समाज के अन्दर सामूहिकता के साथ सब मिलकर कुछ निर्णय करते हैं, कुछ फैसले करते हैं। उन निर्णय-फैसलों के आधार पर समाज के अन्दर, जो एक जागरुक समाज है, जो केवल अपने समाज को ही नहीं, अपने कार्यों से, अपनी सेवा से, अपनी निष्ठा से और अपने सामूहिकता के कारण अन्य समाज को भी प्रेरणा देने का काम करता है, निश्चित रूप से आपने ऐसे ही विचार, ऐसे ही संकल्प आज के अधिवेशन में दिए हैं।

आपने एक और शुभ काम किया है। समाज के वरिष्ठजन, जिन्होंने इस समाज को एक प्रतिष्ठा दिलाई, अपने सामाजिक कार्यों से, अपनी सेवा से। यही कारण है कि विजयवर्गीय समाज का एक विशिष्ट स्थान समाज में है। ये संख्या में कम हो सकते हैं, लेकिन कार्य-कुशलता के आधार पर, सेवा के कारण और समर्पण के कारण विजयवर्गीय समाज का व्यक्ति जहाँ भी अपना कार्यक्रम करता है, वहाँ पर उनके इस संस्कार और संस्कृति के कारण उनका सम्पूर्ण समाज में एक विशिष्ट स्थान है। इसलिए समाज के अलग-अलग क्षेत्रों के अन्दर काम करना, सामूहिकता के साथ काम करना, सबका मिलकर काम करना और हमारी जो 'वसुधैव कुटुम्बकम' की संस्कृति है, उसको आगे बढ़ाना। इसलिए मैं जब भी इस समाज में आता हूँ, तो मुझे एक नयी प्रेरणा मिलती है।

इस बात की प्रेरणा मिलती है कि किस तरह से हर कार्यक्रम में सामूहिकता के साथ कार्यक्रम की रचना बनाना, सामूहिकता के साथ काम करना और स्वामी रामचरण जी के आदर्श, विचारों, उनके द्वारा दिए गए संस्कार और संस्कृति को आगे बढ़ाना ही इस समाज की विशेषता है। इसीलिए आज हम सब यहाँ

पर कुछ संकल्पों के साथ आगे बढ़ रहे हैं। हमारे वरिष्ठजनों का हमने सम्मान किया है, उनके कार्यों से हमें प्रेरणा मिलेगी, उनका मार्गदर्शन मिलेगा, उनका आशीर्वाद मिलेगा और यह समाज इसी तरीके से आगे बढ़ता रहेगा।

ये अपने समाज में तो परिवर्तन ला ही रहे हैं, साथ ही अन्य समाजों के अन्दर भी यह समाज एक प्रेरणा के रूप में होगा। आप सभी को बहुत-बहुत शुभकामनाएं, बहुत-बहुत बधाई।

———